

प्रेषक,

संख्या-

/ 11-2016-03(06) / 2016

आनन्द बर्द्धन
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 15 जुलाई, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 में मानसून अवधि के दौरान दैवीय आपदा के अन्तर्गत आकस्मिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से वित्तीय अनुदान दिये जाने के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1443/मु0अ0वि/बी-1(दैवीय आपदा) दिनांक 04 मई, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मानसून अवधि के दौरान दैवीय आपदा के अन्तर्गत आकस्मिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों हेतु राज्य सैक्टर की बाढ़ सुरक्षा मद में वित्तीय वर्ष 2016-17 में लेखानुदान में बजट व्यवस्था न होने के कारण दैवीय आपदा के दौरान कार्यों की तात्कालिकता एवं धन की त्वरित आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए सिंचाई विभागान्तर्गत निम्न विवरणानुसार रु0 200.00 लाख (रु0 दो करोड़ मात्र) की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

| मानक मद | (आयोजनागत पक्ष में) राज्य आकस्मिकता निधि से आवंटित धनराशि रु0 लाख में |
|--|---|
| अनुदान संख्या-20 लेखाशीर्षक- 4711- बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूँजीगत परिव्यय 01-बाढ़ नियंत्रण 103-सिविल निर्माण कार्य 03-अनापेक्षित आपातकालीन कार्य नदी में सुधार तथा कटाव 00- 24-वृहत निर्माण कार्य | 200.00 लाख (रु0 दो करोड़ मात्र) |

- 2- अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण/ व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृति दी जा रही है।
- 3- उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाय।
- 4- राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित की जा रही धनराशि के प्रतिदान हेतु आवश्यक व्यवस्था वित्तीय वर्ष 2016-17 के बजट के अन्तर्गत सुसंगत लेखाशीर्षक में करा दी जायेगी।

- 5- इस सम्बंध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक 8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि लेखा-201 समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या 20- के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष के लेखा शीर्षक लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-01-बाढ़ नियंत्रण-103-सिविल निर्माण कार्य-03-अनापेक्षित आपातकालीन कार्य नदी में सुधार तथा कटाव-00-24 वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।
- 6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 133/XXVII(2)/2016, दिनांक 13 जुलाई, 2016 में दी गयी सहमति से निर्गत की जा रही है।

भवदीय,
(आनन्द बर्द्धन)
सचिव।

प्र0संख्या- (1)/ 11-2016-03(06)/2016तददिनांकित

प्रतिलिपि प्रधान लेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,
(श्रीधर बाबू अददांकी)
अपर सचिव (वित्त)

प्र0संख्या- 140 (1)/ XXVII(1)/रा0आ0नि0/2016 दिनांक 15 मई, 2016

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
 2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
 3. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
 4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
 5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, /कुमायूँ मण्डल पौड़ी/नैनीताल।
 6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 7. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड
 8. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
 9. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 10. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
 11. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
 12. सम्बन्धित सिंचाई खण्ड द्वारा मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई, उत्तराखण्ड।
 13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(चन्दन सिंह रावत)
अनु सचिव।